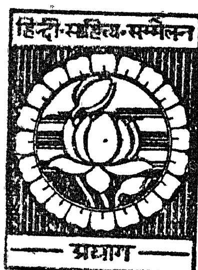
भास के तीन नाटक

[कर्णभार, दूतवाक्य और मध्यमव्यायोग]

अनुवादक

देवपुरस्कार विजेता

श्री हरदयालु सिंह



२००३

हिन्दी साहित्य सम्मेलन

प्रयाग